



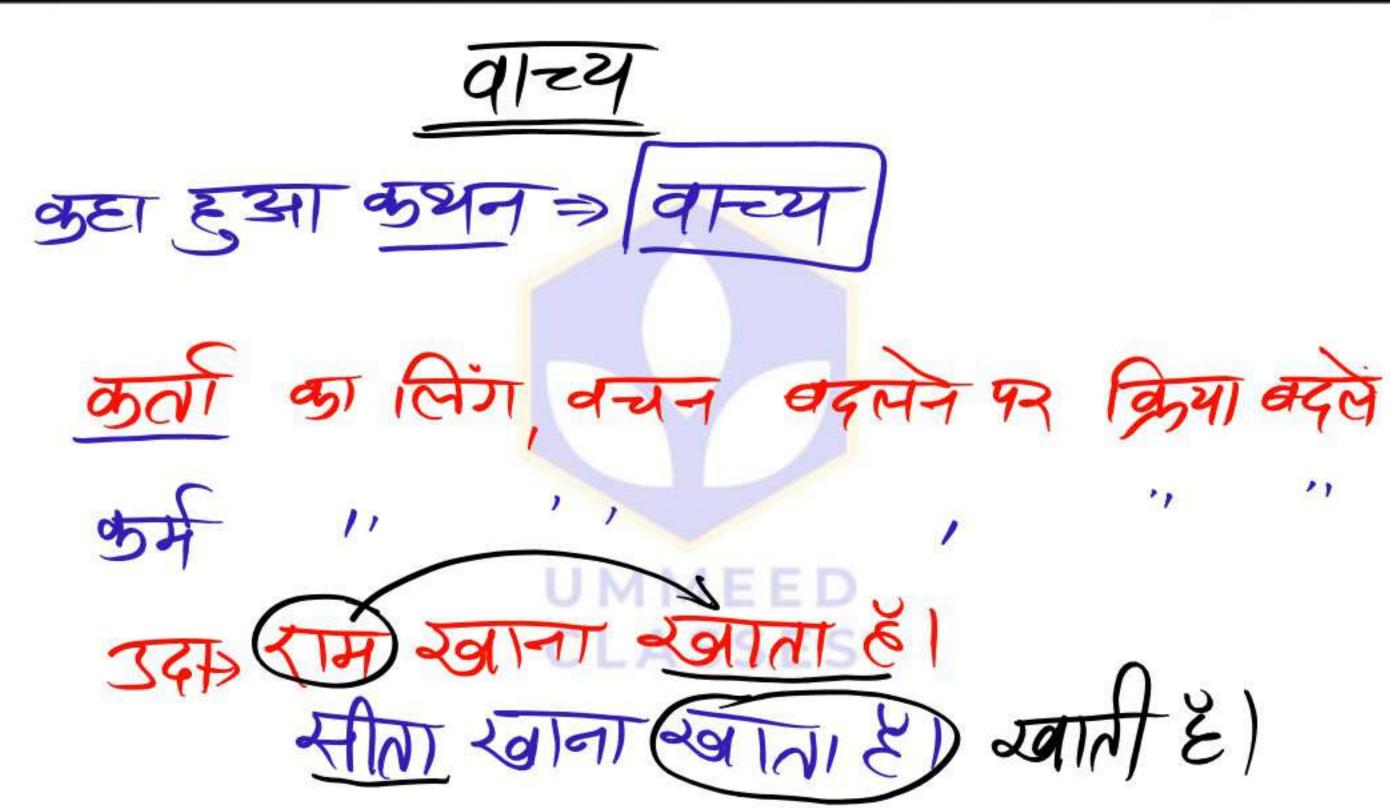
भाग 1













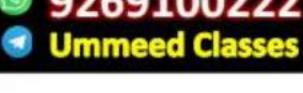


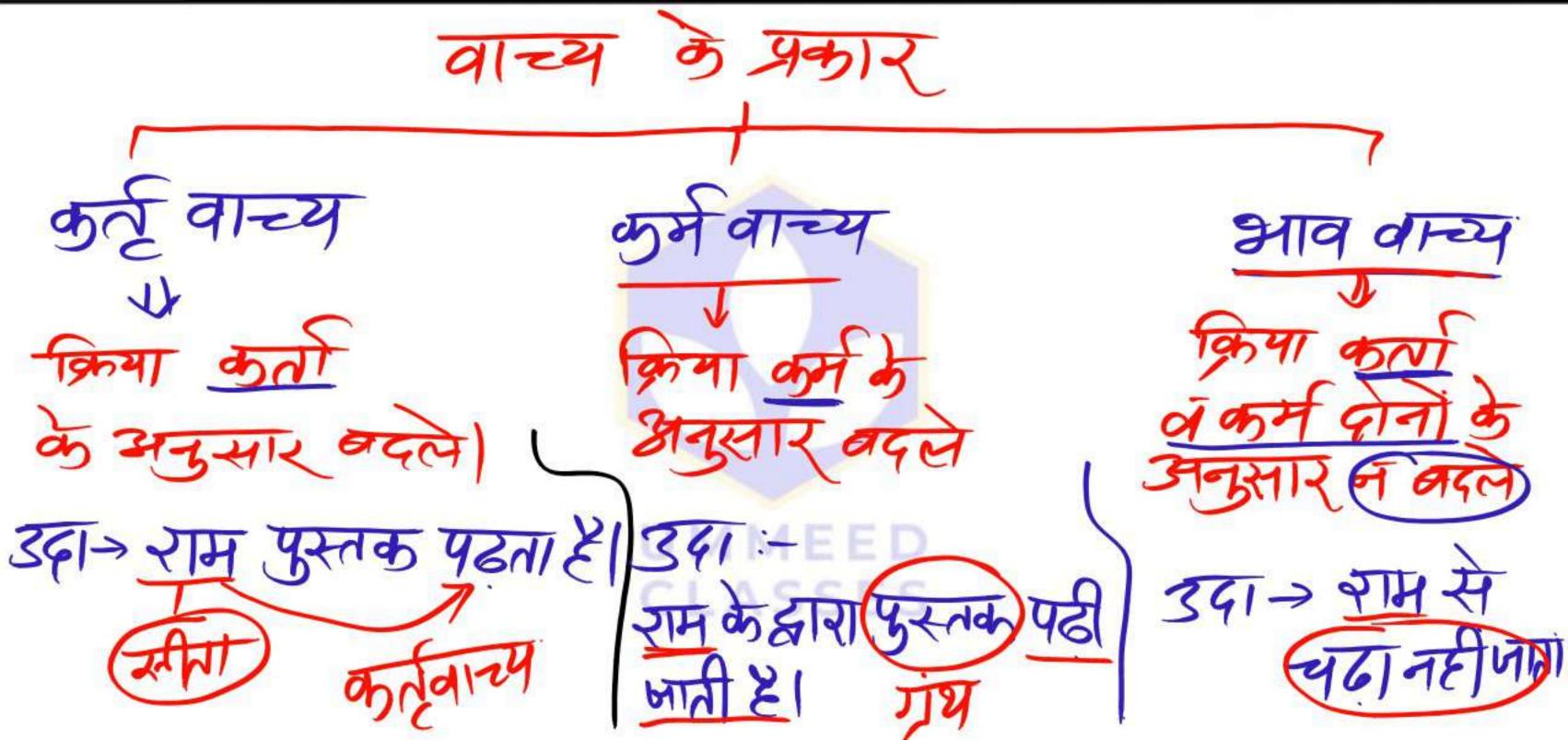
वाच्यक अर्थ 'बताने वाषा' होता है। वाक्य में प्रस्तुत किया किसके अनुसार उत्ता रही है, उसका बोध्य काच्य कराता है।

उदा > राम पुस्तक पुटता है।
करी
मोहिनी के द्वारा श्रिथ पुढ़ा जाता है।











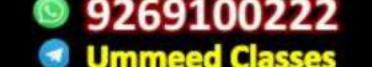


(1) कर्रुवाच्य :- यदि वाक्य में प्रयन्त्र किया कर्रा के अनुसार वदल जाए तो कर्रुवाच्य उहलाता है।

क्रा - क्रान

नियम-1 => क्रिया कर्ला के अनुसार क्यले | नियम > 2 कर्ला के साध्य में परसर्ग हो |





नियम > 3 किया:-सकर्मक ऑर अक्रमक

नियम ३५ वाक्य > सनागन सन्य

उदा:- रमा पाठ थाद कर रही है। (कर्तृवाच्य)

वह उपहार बाट रहा है। कर्तृवान्य

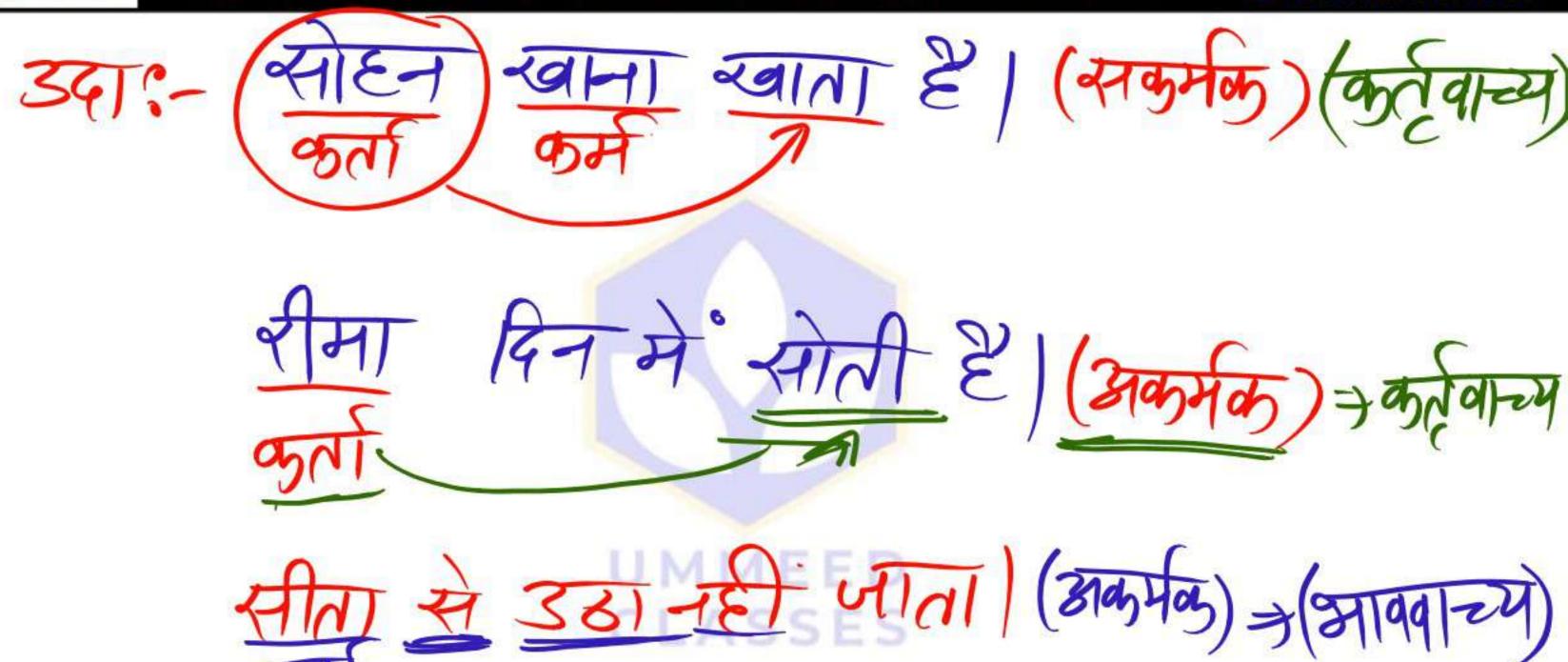
















361-> सूर्य सर्व में उग्रामा है। याम को नामकारे हैं। मार्प UMMEED

CLASSES

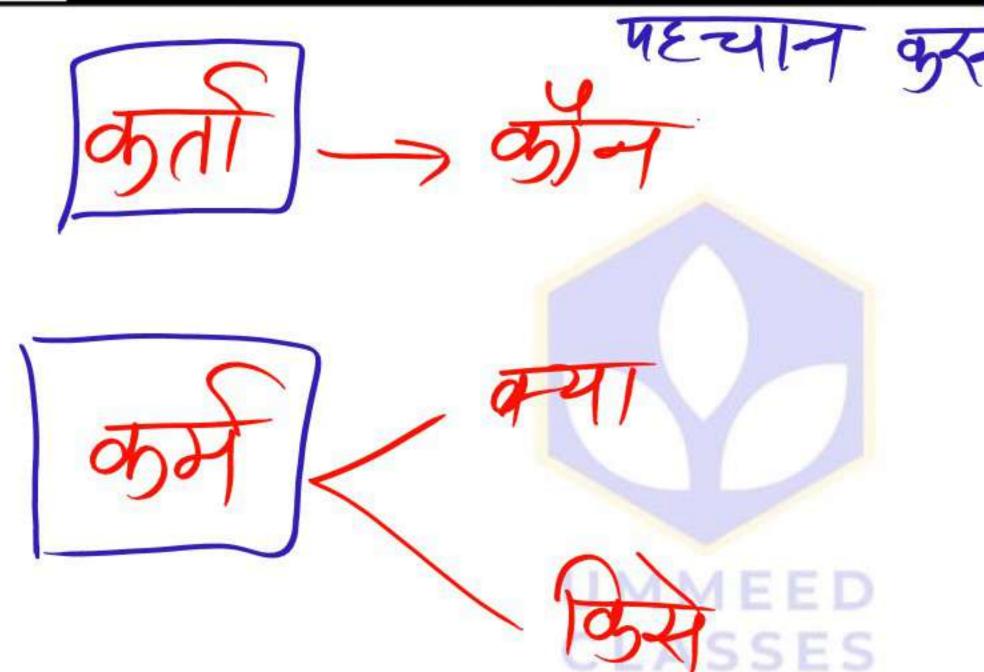




अंभित हस रहा है। करिवाच्य (अवमिड) मेरी वाल नहीं मानी (कल्वाच्य) ी की देख देगा है। (स्प्रमुक्त)। प्रद्वारम

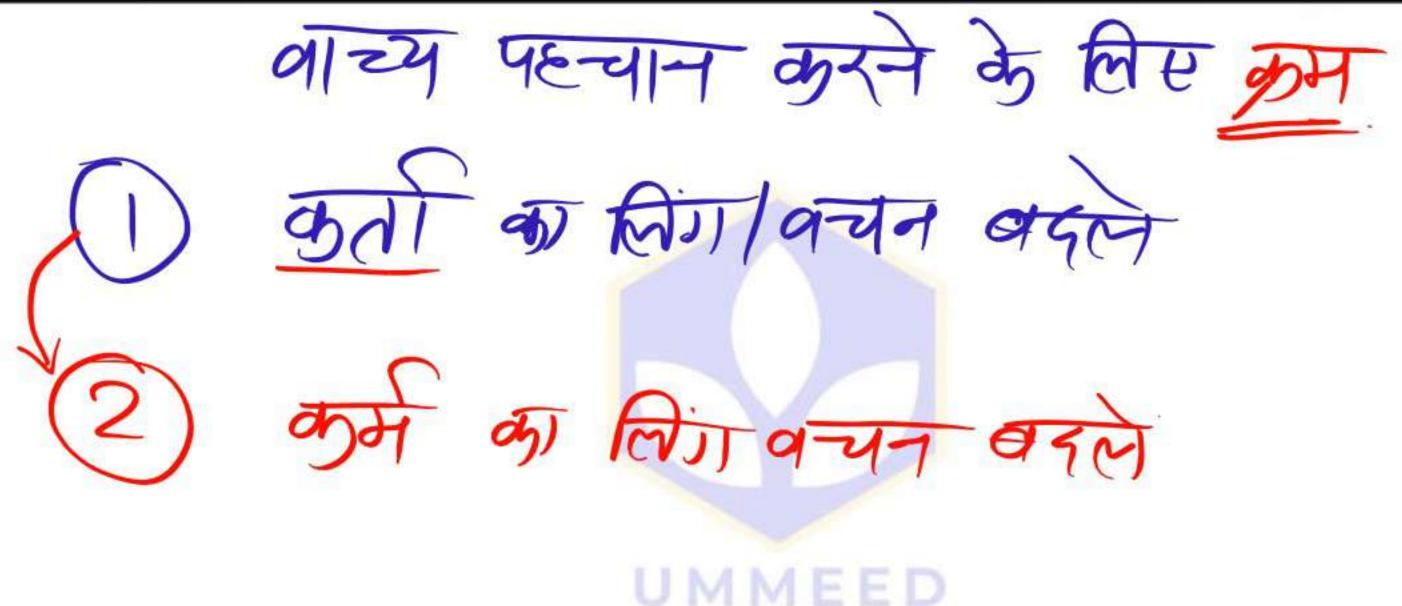








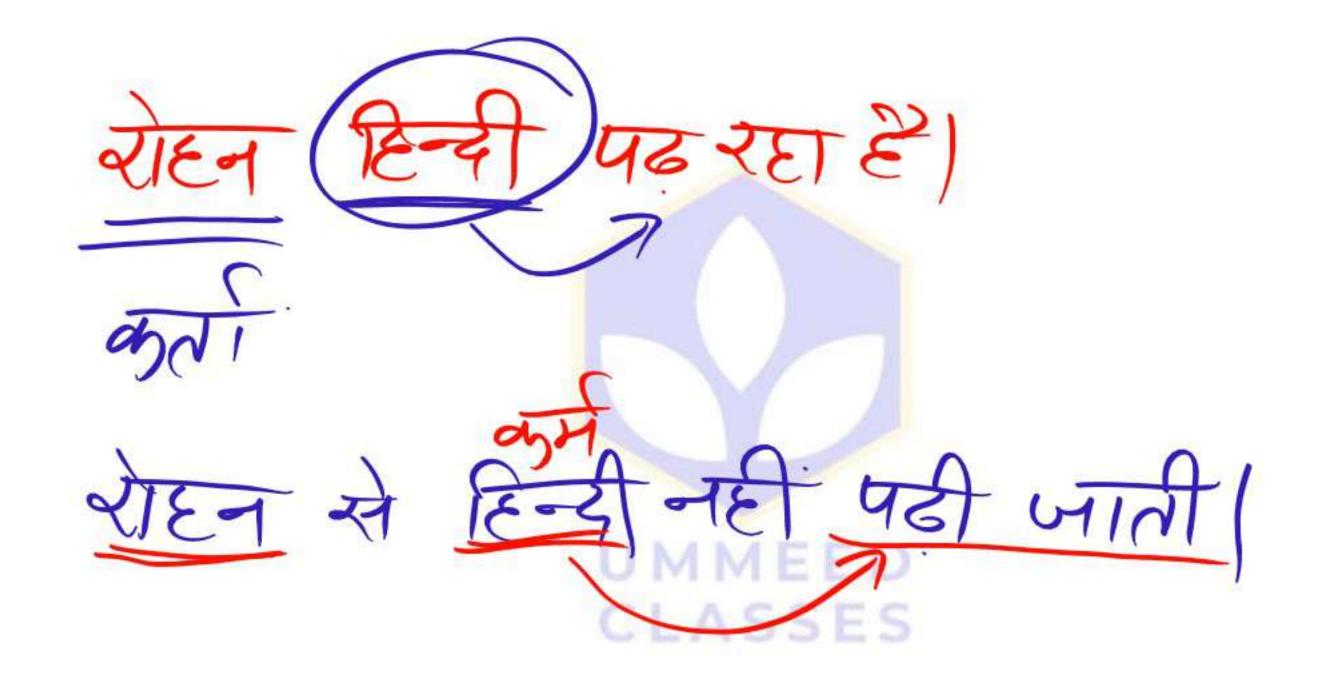




CLASSES













Thanks for Watching!



LIKE, COMMENT AND SHARE



HINDI + ENGLISH

BATCH

ADMISSION OPEN सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए







© © 9269100222

